Paper I – MODERN PROSE

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच अवतरणों की संदर्भ सहिअ व्याख्या कीजिए।

(a) यदि राम हमारे काम के हैं तो रावण भी हमारे काम का है। एक में हम अपने लिए प्रवृत्ति का क्रम पाते हैं, दूसरे में निवृत्ति का।

(b) ऐसे उत्साहवाले वीर को कर्मवीर कहना चाहिए या बुद्धि वीर – यह प्रश्न मुद्राराक्षस नाटक बहुत अच्छी तरह हमारे सामने रखता है।

(c) सौंदर्य का यह उद्‌घाठन असौंदर्य का आवरण हठाकर होता है, धर्म और मंगल की यह ज्योति अधर्म और अमंगल की घटा को फाडती हुई फूटती है।

(d) किसी देश का इतिहास पढ़ने से हम उस देश का केवल बाहरी हाल जान सकते हैं पर साहित्य के अनुशीलन से समय के आम्यन्तरिक भाव हमें परिस्फुठित हो सकते हैं।

(e) ऐसा कुत्सित मनुष्य मिलना कठिन होगा; जिस के अन्तर्जगत से पूर्णता की प्रत्येक रेखा मिट गई हो, सामंजस्य के आदर्श के सब रंग घुल गए हों।

(f) स्वर्गीय वस्तुएँ घरती से मिले बिना मनोहर नहीं होतीं।

(g) मृत्यु ही में जीवन की ऐसी मनोहर गंध छिपी हुई है, सहसा इस पर विश्वास नहीं होता।

(h) यही मैं भी सोच रहा है, मेरे संस्कारों में ऐसी क्या गडबडी थी, जो मेरा खून गरम नहीं हुआ।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) श्रद्धा - भक्ति निबंध का सारांश लिखिए।

(b) अरविंद का चरित्र - चित्रण कीजिए।

(c) एकांकी कला के आधार पर 'अंधेर नगरी' का विश्लेषण कीजिए।

(d) मनोविज्ञान की कसौटी पर 'पत्नी' कहानी की आलोचना कीजिए।

(e) स्पष्ट कीजिए कि रमानाथ मध्यवर्ग का प्रतिनिधि पात्र है।

(f) जुलाई की शाम कहानी की आधुनिकता पर प्रकाश डालिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था निबंध की आलोचना करते हुये उसकी विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(b) कफन कहानी में व्यक्त आलोचनात्मक यर्थाथवाद के बारे में लिखिए।

(c) गजाघरबाबू की वापसी 'पीढियों के अंतराल' का परिणाम है, इस कथन की पुष्टि कीजिए।

(d) जालपा चरित्र के आधार पर नारी की गतिशीलता पर विचार कीजिए।

(e) आकाशदीप की सांस्कृतिक विरासत का उल्लेख कीजिए।

(f) एक और द्रोणाचार्य की प्रतीकात्मकता के बारे मं लिखिए।

(g) निबंध की परिभाषा देते हुए उसके गुणों पर विस्तार से लिखिए।

———————

Paper II – MODERN POETRY

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्ही पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(a) नयन तीर पर ही सरवी, तू करती यी खेद,
टपक उण है देख अब, रोम-रोम से स्वेद।

(b) देखा मनु ने वह अतिरंजित, विजन विश्व का नव एकांत,
जैसे कोलाहल सोया हो, हिम शीतल जडता सा श्रान्त।

(c) मानव नियति का संशय है
यदि सारे शुभाशुम
युद्धों से ही प्रतिपादित होते हैं
तब वे सत्य तो नहीं अन्तिम भी नहीं।

(d) शशि किरणों से उतर-उतर कर
भू पर कामरूप नभ पर
चूम नवल कलियों का मृदुमुख
सिखा रहे ये मुसकाना।

(e) तिमिशंचल में चंचलता का कहीं नहीं आभास
मधुर-मधुर हैं दोनों अधर
किन्तु जरा गंभीर नहीं है, उन में हास-विलास।

(f) कि तुझे देखूँ
देखूँ और मन में कृतज्ञता उमड आये
पहनूँ सिरोपे से ये कनक तार तेरे
बावरे अहेरी!

(g) विकसते मुरझाने को फूल
उदय होता छिपने को चान्द।
शून्य होने को भरते मेघ
दीप जलता होने को मन्द।

(h) मगर अब अतीत में अपना चेहरा
देखते के लिए
शीशे की घूल झाडना बेकार है।
उस की पालिश उतर चुकी है,
गीली मिट्टी की तरह हाँ हाँ मत करो
तनों अकडो अमर बेली की तरह
तम जियो जड पकडो।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) साकेत के तवमसर्ग की समीक्षा कीजिए।

(b) कामायनी का कलापक्ष प्रस्तुत कीजिए।

(c) संशय की एक रात का परिचय दीजिए।

(d) हिन्दी के प्रमुख खण्ड काव्यों की चर्चा कीजिए।

(e) सन्ध्या सुन्दरी में व्यक्त छायावाद का उल्लेख कीजिए।

(f) अज्ञेय की प्रगतिशीलता का परिचय दीजिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) साकेत एक महाकाव्य है, सिद्ध कीजिए।

(b) पंत प्रकृति के कोमल कवि हैं, समीक्षा कीजिए।

(c) महादेवीवर्मा के काव्य में व्यक्त विरह वेदना के बारे में लिखिए।

(d) निराला बाज भी हैं, कपोत भी, सिद्ध कीजिए।

(e) धूमिल की कविता में रूपायित जनवादी विचार धारा की चर्चा कीजिए।

(f) आधुनिक कविता के प्रेरणास्त्रोत क्या-क्या रहे है? विस्तार से लिखिए।

(g) गजानन माधव मुक्तिबोध के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालें।

Paper III – HISTORY OF HINDI LITERATURE

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

(a) रामचन्द्रशुक्ल ने हिन्दी साहित्य का इतिहास का काल विभाजान किस आधार पर किया है?

(b) रीतिकाल का परिचय दीजिए।

(c) कवि विद्यापति के बारे में लिखिए।

(d) रासो साहित्य पर प्रकाश डालिए।

(e) पत्रकारिता क्या होती है?

(f) रेखाचित्र के विकास को स्पष्ट कीजिए।

(g) मनोवैज्ञानिक कहानी की समीक्षा कीजिए।

(h) आलोचना के स्वरूप का निर्धारता कीजिए।

PART B — (5 × 4 = 20 marks)

2. किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

(a) अष्टछाप में सूरदास का स्थान निर्धारता कीजिए।

(b) रीतिमुक्त काव्य धारा की प्रमुख प्रवृत्तियों का विश्लेषण कीजिए।

(c) वीरगाथा काल की प्रवृत्तियों का परिचय देकर कवि और उन्की कृतियों का उल्लेख कीजिए।

(d) नई कहानी आंदोलन को स्पष्ट कीजिए।

(e) प्रगतिवाद का परिचय देकर प्रमुख कवियों की चर्चा कीजिए।

(f) हिन्दी साहित्य में 'कामायनी' का स्थान निर्धारित कीजिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

(a) निर्गुण भक्ति और सगुण भक्ति, दोनों का तुलनात्मक अध्ययन कीजिए।

(b) कबीरदास के कृतित्व के आधार पर उनके क्रान्तिकारी स्वभाव का परिचय दीजिए।

(c) हिन्दी कहानी साहित्य को प्रेमचन्द का योगदान क्या रहा है? अपने विचार प्रस्तुत करें।

(d) भारतीय पत्रकारिता क उद्भव और विकास की चर्चा कीजिए।

(e) छायावाद में निराला और पंत का स्थान निर्धारित कीजिए।

(f) एकांकी साहित्य का परिचय दीजिए।

(g) आधुनिक कविता की यात्रा पर विस्तार से लिखिए।

———————

Paper IV – PRAYOJANMOOLAK HINDI AND JOURNALISM

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

किन्ही पाँच प्रश्नों के उत्तर 250 शब्दों में दीजिए।

1. (a) संपर्क भाषा के बारे मं समझाइयो।

(b) राजभाषा अधिनियम 1963 पर प्रकाश डालिए।

(c) प्रयोजनमूलक हिन्दी किसको कहते हैं?

(d) कार्यालय आदेश के बारे में लिखिए।

(e) नौकरी के लिए एक आवेदन पत्र लिखिए।

(f) पत्रकारिता की परिभाषा देते हुए उस के स्वरूप का निर्धारण कीजिए।

(g) पत्रकारिता के कितने प्रकार हैं? समझाइये।

(h) ग्रामीण पत्रकारिता के बारे में लिखिए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

किन्ही दो प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में दीजिए।

2. (a) अंग्रेजों की भाषा नीति का उल्लेख करते हुये उनके शासन काल में हिन्दी की स्थिति की चर्चा कीजिए।

(b) पत्रकारिता का उद्‌भव और उसके विकास की चर्चा कीजिए।

(c) कंप्यूटर तकनीक में सहायता प्राप्त करने के लिए भारत सरकार ने जापान के साथ एक समझौता किया है। सरकार के इस निर्णय के व्यापक प्रचार के लिए एक प्रेस विज्ञप्ति तैयार कीजिए।

(d) एक सफल पत्रकार के लिए आवश्यक गुणों की चर्चा कीजिए।

(e) प्रयोजनमूलक हिन्दी के संदर्भ में भाषा-विषयक शुद्धता पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(f) विज्ञापन कला पर अपने विचार लिखिए।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

किन्ही तीन प्रश्नों के उत्तर 1,200 शब्दों में दीजिए।

3. (a) राष्ट्रभाषा से क्या तात्पर्य है? राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की चर्चा कीजिए।

(b) स्वंत्रता आंदोलन के दौरान पत्रकारिता की भूमिका पर विस्तार से लिखिए।

(c) कार्यालयी हिन्दी क्या होती है? उस के स्वरूप का निर्धारण करते हुये उसके प्रकारों की चर्चा कीजिए।

(d) पत्रकारिता की आचार संहिता पर प्रकाश डालिए।

(e) राज भाषा हिन्दी के मुख्य घटना क्रमों पर प्रकाश डालिए।

(f) कार्यालय ज्ञापन क्या होता है और किस संदर्भ में उसका प्रयोग किया जाता है? नमूना प्रस्तुत कीजिए?

(g) पत्रकारिता और विज्ञापन पर अपने विचार प्रस्तुत कीजिए।

(d) सूर काव्य की समीक्षा।

(e) पद्मावत में प्रेम की अभिव्यक्ति।

(f) बिहारी सतसई की समीक्षा।

(g) विद्यापति भक्त कवि है या श्रृंगार कवि।

2351/KH5

OCTOBER 2011

Paper V — ANCIENT AND MEDIEVAL POETRY

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(a) मनहँ काम कामिनि रचिय रूप की रास।

पसु पंछी सब मोहिनी, नर, मुंनियर पास।

(b) अंबर बदन झपावह गोरी। राज सुन इछिअ चांदन चोरी।

घर घर पहरि गेल अछ जोही। अबही दूषन लागत तोही।

कतए नुकाएब चॉद क चोर। जतहिं नुकाओब ततहिं बजोर।

हारन सुधारस न करू बजोर। बनिक धनिक धन बालब मोर।

(c) तन चितउर मन राजा कीन्हा। हिय सिंहल, बुद्धि पद्मिनि चीन्हा।

गुरू सुआ जो पन्थ दिखावा। बिना गुरन को निरगुन पावा।

नागमति एहि दुनियाधन्धा। बांचा सोई न एहि चित बन्धा।

राघव दूत सोई सैतानू। माया अलादीन सुलतानू।

(d) रोई गॅवाए बारह मासा। सहस सहस दुख एक एक सॉसा।

तिल तिल बरख परिजाई। पहर पहर जुग जुग न सेराई।

(e) अविगत गति कछु कहत न आवै।

ज्यों गूँगै मीठे फल कौ रस अंतरगत ही भावै।

परम स्वाद सबही सु निरंतर अमित तोष उपजावै।

(f) एक समय सब सहित समाजा। राजसभॉ रघुराजु बिराजा।

सकल सुकृत मूरति नरनाहू। राम सुजसु सुनि अतिहि उछाहू।

(g) इन दुखिया ऑखियान कौं सुख सिरजौई नाहिं।

देखत बनै न देखतै अनदेखे अकुलाहिं।

(h) दुलहनीं गावहु मंगलाचार।

हम घरि आए हौं राजा राम भरतार।

तन रत करि मैं मन रत करि, हूँ पंततत बराती।

राम देव मोरै पाहूँनैं आए, मै जोबन मैमाती।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(a) आदिकालीन साहित्य में पृथ्विराजरासो का स्थान निर्धारित कीजिए।

(b) विद्यापति के काव्य के कलापक्ष और भावपक्ष पर लेख लिखिए।

(c) कबीरदास के काव्य के आधार पर उनका क्रांतिकारी स्वरूप प्रस्तुत कीजिए।

(d) पद्भावत् काव्य में रूपाइत सूफियो की भक्ति भावाना की समीक्षा कीजिए।

(e) सूरदास के काव्य की समीक्षा प्रस्तुत कीजिए।

(f) तुलसी को क्यों लोकनायक कहा जाता है? तर्क सहित अपने विचार लिखें।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

(a) पृथ्विराजरासो की प्रामाणिकता।

(b) कबीर की निर्गुणभक्ति।

(c) तुलसीदास की समन्वयभक्ति।

Paper VI – HISTORY OF HINDI LANGUAGE AND LINGUISTICS

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए।

(a) भारतीय आर्य भाषाओं का परिचय दीजिए।

(b) भाषा और बोली में क्या अंतर है?

(c) राजभाषा किसे कहते हैं?

(d) संयुक्तव्यंजन को समझाइये।

(e) रूपविज्ञान के बारे में लिखिए।

(f) अर्थप्रतीति के साधन कौन-कौन से है?

(g) संज्ञा और उसके भेदों की चर्चा कीजिए।

(h) शब्दशक्ति के कितने प्रकार हैं? उदाहरण देकर समझाइए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(a) संपर्कभाषा का प्रारूप।

(b) भाषाविज्ञान के विभाग।

(c) ध्वनियों का वर्गीकरण।

(d) ध्वनिग्राम।

(e) शब्द और अर्थ का संबंध।

(f) क्रिया और उसके भेद।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

(a) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी: समस्याएँ व समाधान।

(b) भाषाविज्ञान का अन्य शास्त्रों के साथ संबंध।

(c) ध्वनिपरिवर्तन के कारण।

(d) अर्थविज्ञान।

(e) अर्थविस्तार और अर्थसंकोच के कारण।

(f) काल की परिभाषा और उसके भेद। भूतकाल और 'ने' का प्रयोग।

(g) समास।

Paper VII – INDIAN AND WESTERN POETICS

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए।

(a) काव्य की परिभाषा दीजिए।

(b) महाकाव्य क्या होता है?

(c) उपन्यास के कितने प्रकार है?

(d) रस की परिभाषा देकर उसके भेदों के बारें में लिखिए।

(e) काव्य में अलंकार से क्या अभिप्राय है?

(f) छंद किसे कहते हैं?

(g) क्रोचे का परिचय दीजिए।

(h) आदर्शवाद की समीक्षा कीजिए।

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(a) काव्य की आत्मा।

(b) नाटक के तत्व।

(c) आलोचना।

(d) श्रृंगाररस।

(e) छंद के अवयव।

(f) वेर्ड्सवर्थ का परिचय।

PART C — (3 × 20 = 60 marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

(a) रस निष्पत्ति:।

(b) आदर्शवाद और यथार्थवाद।

(c) काव्य में अलंकारों का स्थान।

(d) प्लोटो का काव्य सिद्धांत।

(e) वक्रोक्ति सिद्धांत।

(f) छंद के भेद।

(g) कहानी का उद्‌भव और विकास।

Paper VIII – ESSAY AND TRANSLATION THEORIES

Time : Three hours Maximum : 100 marks

PART A — (5 × 4 = 20 marks)

1. किन्हीं पाँच के उत्तर दीजिए।

   (a) रस की परिभाषा दीजिए।

   (b) कला किसे कहते हैं?

   (c) प्रगतिवाद को समझाइए।

   (d) आंचलिक उपन्यास में आंचलिकता का क्या अर्थ है?

   (e) कबीर का कोई एक दोहा लिखकर उसकी समीक्षा कीजिए।

   (f) तुलसीदास के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालिए।

   (g) प्रसास की कहानी कला का परिचय दीजिए।

   (h) अनुवाद में स्रोतभाषा और लक्ष्यभाषा का क्या मतलब है?

PART B — (2 × 10 = 20 marks)

2. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

   (a) रस निष्पत्ति।

   (b) तुलसीदास की समन्वय भावना।

(c) राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी।

(d) अनुवाद के प्रकार।

(e) हिन्दी की महिला लेखिकाएँ।

(f) आदर्शअनुवाद।

PART C — ($3 \times 20 = 60$ marks)

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर विस्तार से लिखिए।

(a) सत्यम् शिवम् सुन्दरम्।

(b) कबीरदास के काव्य का क्रांतिकारी स्वरूप।

(c) प्रेमचंद के उपन्यासों की संक्षिप्त समीक्षा।

(d) स्वतंत्रतासंग्राम में हिंदी कविता का योगदान।

(e) अनुवाद की समस्याएँ।

(f) अच्छे अनुवादक के गुण।

(g) हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

Formerly people did not use money. They gave what they had, in return for what they wanted. This kind of buying and selling without using money is called barter. Suppose a man has a pair of boots to part with and he wanted a book, he had to go to the market and search for a man, who wanted a pair of boots and had at the same time a book to give in return. Similarly, one

who wanted a loaf of bread parted with what he had in exchange for the loaf. It was often not easy for the man, who wanted bread, to find a man who would take what he had to give him bread in exchange.

There was another difficulty in this, suppose a man had a horse to sell in exchange for a plot of ground, suppose too that the horse's worth was greater than that of the plot, the owner of the horse could not cut it up for the sake of plot. The system of barter was therefore very inconvenient.